

Report on the World Environment Day Program

jointly organized by ICAR-Directorate of Rapeseed-Mustard Research,
Bharatpur and Rajasthan State Biodiversity Board, Jaipur

On the occasion of World Environment Day, a one-day program was jointly organized by the Directorate of Rapeseed-Mustard Research (DRMR), Bharatpur, and the Rajasthan State Biodiversity Board, Jaipur. This event aimed to highlight the importance of environmental conservation and foster sustainable development practices among participants.

Dr. P.K. Rai, Director of the institute, emphasized the critical need for environmental conservation in his address. He pointed out the imminent threat of climate change due to the reckless exploitation of natural resources. Dr. Rai stressed that the necessity for environmental protection is greater than ever, urging collective efforts to address these challenges.

The program featured an expert lecture by Mr. Manas Singh, Deputy Conservator of Forests (Wildlife) and Director of Keoladeo National Park, Bharatpur. His lecture focused on this year's theme "*Land Restoration, Desertification, and Drought Resilience*." Mr. Singh elaborated on dedicated efforts for environmental conservation and discussed global initiatives to combat climate change. He highlighted the need for collaborative efforts in environmental protection and land restoration, urging all levels of society to work together to safeguard natural resources and ensure a healthy environment for future generations.

The primary objective of the program was to raise awareness about environmental conservation and underscore the importance of sustainable development. A total of 54 participants attended this program and reaffirmed their commitment to environmental protection and pledged to continue their efforts in this direction. The program concluded with a tree-planting campaign, where the chief guest, Mr. Manas Singh, planted the first sapling, symbolizing the start of collective environmental efforts.

The one-day program successfully highlighted the urgent need for environmental conservation and the role of sustainable practices. The event was coordinated by Dr. Prashant Yadav, ensuring a smooth execution of the activities and fostering a spirit of commitment towards environmental stewardship among the participants.



दैनिक जीवन में लें पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता : डॉ. राय

भरतपुर (निस)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर और राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर के सहयोग से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है और हमें मिलकर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानस सिंह, डिप्टी कंजरक्टर ऑफ फॉरेस्ट्स (वाइल्डलाइफ), भरतपुर नेशनल पार्क और निदेशक,



विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर ने भूमि सहनशीलता विषय पर व्याख्यान दिया। पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा मानस सिंह ने अपने व्याख्यान में

पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हो रहे वैश्विक प्रयासों पर चर्चा की। मानस सिंह ने कहा, पर्यावरण संरक्षण और भूमि पुनर्स्थापन में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हमें सभी स्तरों पर मिलकर काम करना होगा ताकि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रख सकें और आगामी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और सतत विकास के महत्व पर जोर देना था। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

भरतपुर न्यूज दैनिक राजस्थान स्टेटमेंट जयपुर
7 जून 2024 शुक्रवार

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन



भरतपुर/का.सं.। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सरसों अनुसंधान निदेशालय, भरतपुर और राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर के सहयोग से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है और हमें

मिलकर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानस सिंह, डिप्टी कंजरवेटर ऑफ फॉरेस्ट्स (वाइल्डलाइफ), भरतपुर नेशनल पार्क और निदेशक, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर ने भूमि पुनर्स्थापन,

मरुस्थलीकरण और सूखा सहनशीलता विषय पर व्याख्यान दिया।

मानस सिंह ने अपने व्याख्यान में पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए हो रहे वैश्विक प्रयासों पर चर्चा की।

मानस सिंह ने कहा, पर्यावरण संरक्षण और भूमि पुनर्स्थापन में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हमें सभी स्तरों पर मिलकर काम करना होगा ताकि हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रख सकें और आगामी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकें।

दैनिक नवज्योति



निर्भीक और निष्पक्ष
आपके लिए, आपके साथ
dainiknavajyoti.com

जयपुर, गुरुवार, 6 जून 2024

जयपुर

5

सरसों अनुसंधान निदेशालय और राजस्थान राय जैव विविधता बोर्ड, जयपुर के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पीके राय ने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है और हमें मिलकर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।

भरतपुर पत्रिका



भरतपुर सिटी

patrika.com | राजस्थान पत्रिका. भरतपुर, गुरुवार, 06 जून 2024

सरसों अनुसंधान निदेशालय और राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पीके राय ने पर्यावरण संरक्षण की महत्ता पर जोर देते हुए बताया कि संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग के कारण जलवायु परिवर्तन का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है और हमें मिलकर इसके लिए प्रयास करने की आवश्यकता है।